Song Book

विषय - सूची

क्रमांक		पृष्ठ नः
1.	गायत्री मंत्र	1
2.	गायत्री गीत	1
3.	मूल मन्त्र	2
4.	School Song	3

सरस्वती वन्दना

5.	हे शारदे माँ.....	4
6.	शारदे वरदान दे माँ....	5
7.	जय-3 माँ सरस्वती....	6
8.	गाइए सरस्वती जगवन्दन....	7
9.	हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी....	8
10.	शारदे वरदान देना....	9
11.	वत्सला माँ भारती....	10

देशभक्ति गीत

12.	नन्हा मुन्ना राही हूँ....	11
13.	सोने कही जहाँ धरती....	12
14.	छोड़ो कल की बातें....	13
15.	हम होंगे कामयाब....	14
16.	भारत माँ की आँख के तारो....	15
17.	आज़ादी की खुली हवा में.....	16
18.	हम भारत के वीर सिपाही	17
19.	सारे जहाँ से अच्छा....	18
20.	प्यारा देश....	19
21.	आशावादी गीत....	19
22.	हो जाओ तैयार साथियो....	20
23.	जय जन भारत....	21

क्रमांक		पृष्ठ न:
24.	झंडा ऊँचा रहे हमारा	22
25.	हिन्द देश का प्यारा झंडा....	23
26.	देश हमें देता है सब कुछ....	24
27.	चन्दन है इस देश की माटी....	25
28.	लक्ष्य ना ओझल होने पाए....	26

भजन

29.	रघुपति राघव....	27
30.	कभी राम बनके....	28
31.	छोटी-छोटी गैया....	29
32.	हे राम हे राम....	30
33.	नन्हा सा फूल....	31
34.	प्रभु ऐसे बसो मेरे....	32
35.	दुनिया चले ना	33
36.	पायो जी मैंने....	34
37.	दयाकर दान भक्ति का....	35
38.	हम को मन की शक्ति...	36
39.	तुम आशा विश्वास हमारे....	37
40.	भगवान मेरी फुलवारी को....	38
41.	ईश्वर तुम्हीं दया करो....	39
42.	नमस्कार भगवान तुम्हें....	40
43.	हर देश में तू....	41
44.	ए मालिक तेरे बंदे हम....	42
45.	पावन है वह.....	43
46.	इक तू ही भरोसा....	44
47.	ईश्वर जो कुछ करता है....	45
48.	तेरी शरण.....	46

क्रमांक पृष्ठ नः

49.	जीवन नैया भवसागर में....	47
50.	स्तुति अराधाना......	48

ਸ਼ਬਦ

51.	ਦੇਹਿ ਸ਼ਿਵਾ ਬਰ ਮੋਹਿ.....	49
52.	ਸਾਸ ਸਾਸ ਸਿਮਰਓ......	50
53.	ਦੁਖ ਭੰਜਨ ਤੇਰਾ ਨਾਮ ਜੀ.....	51
54.	ਜਿਸ ਕੇ ਸਿਰ ਉਪਰ ਤੂੰ.....	52
55.	ਠਾਕੁਰ ਜਾ ਸਿਮਰਾ.....	53
56.	ਰੈਣਿ ਦਿਨਸੁ ਪਰਭਾਤਿ...	54
57.	ਜਿਥੇ ਜਾਇ ਬਹੈ.....	55
58.	ਸਰਬ ਰੋਗ ਦਾ....	56
59.	ਸਰਬ ਰੋਗ ਦਾ.....	57
60.	ਰਾਖਾ ਏਕੁ ਹਮਾਰਾ ਸੁਆਮੀ.....	58

Children Songs

61.	Flowers in the garden.....	59
62.	Red Light Red Light.....	59
63.	Be careful little eyes.....	60
64.	Our National Flag.....	61
65.	Vegetables Power.....	61
66.	Clap your hands together.....	62
67.	The farmer in the dell.....	63
68.	Billy Boy.....	64
69.	We shall over come.....	65
70.	Open the eyes.....	66
71.	Give Me Oil.....	67

क्रमांक पृष्ठ नः

बाल गीत

72.	गुणगान.....	68
73.	दादी अम्मा.....	69
74.	नानी तेरी मोरनी.....	70
75.	इनसे सीखें.....	71
76.	बच्चे तो भगवान.....	72
77.	लकड़ी की काठी.....	73
78.	बच्चे मन के सच्चे.....	74
79.	जीवन हम अर्पित कर जाएं.....	75
80.	स्वागतनूतन वर्ष.....	76

Occasional Songs

81.	आओ सभी शुभ मंगल गाए.....	77
82.	आगमन है आपका.....	79
83.	झूमे-झूमे यह नज़ारे	79
84.	We Welcome you....	80
85.	We welcome you dear parents....	81
86.	बैसाखी गीत.....	82
87.	15 अगस्त.....	83
88.	जन्माष्टमी गीत.....	84
89.	ऐसी दया करो गुरुजन.....	85
90.	आज है दो अक्तूबर.....	86
91.	गांधी तू आज हिन्द की.....	87

क्रमांक पृष्ठ नः

क्रमांक		पृष्ठ नः
92.	आज दिवाली का है शुभ दिन.....	88
93.	ਐਮੀ ਲਾਲ ਤੁਝ ਬਿਨ	89
94.	आया दीपों का त्यौहार.....	90
95.	सतगुर नानक प्रगटिया.....	91
96.	Jingle Bells	92
97.	When the sun shines....	93
98.	Christmas Praise......	94
99.	नया साल हो आप सबको मुबारक.....	95
100.	ਸ਼ਾਹੇ ਸ਼ਾਹਨਸ਼ਾਹ ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ....	96
101.	ਵਾਹੋ ਵਾਹੋ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ....	97
102.	वैष्णव जन तो तेने कहिए.....	98
103.	शिव भजन.....	99

Moral Songs

104.	नदिया ना पीए कभी.....	100
105.	जीवन में कुछ करना है तो.....	101
106.	ये वक्त ना ठहरा है.....	102
107.	भला किसी का कर न सको.....	103

वैदिक भजन

108.	नर नारी सब प्रातः शाम	104
109.	देखा न कोई देवता	105
110.	वेदों का डंका आलम में	106
111.	चमकेगें जब तलक ये	107
112.	जन्म दिवस ऋषिराज तुम्हारा	108
113.	ओऽम् भूः ओऽम् भूवः	109
114.	मेरा आपकी कृपा से	110
115.	ॐ नाम के हीरे मोती	111
116.	जिसके पुण्य प्रताप से	112
117.	मेरे दाता के दरबार में	113

गायत्री मंत्र

ओ३म भूर्भुवः स्वः ।
तत्सवितुर्वरेण्यं
भर्गो देवस्य धीमहि,
धियो यो नः प्रचोद्यात् ।।

गायत्री गीत

तूने हमें उत्पन्न किया
पालन कर रहा है तू
तुझसे ही पाते प्राण हम ।
दुखियों के कष्ट हरता है तू,
तेरा महान तेज है,
छाया हुआ सभी स्थान,
सृष्टि की वस्तु-वस्तु में
तू हो रहा है विद्यमान ।।
तेरा ही धरते ध्यान हम,
मांगते तेरी दया ।
ईश्वर हमारी बुद्धि को,
श्रेष्ठ मार्ग पर चला
दाता हमारी बुद्धि को,
नेकी के रास्ते चला ।

ਮੂਲ ਮੰਤਰ

ੴ ਸਤਿਨਾਮੁ ਕਰਤਾ ਪੁਰਖੁ

ਨਿਰਭਉ ਨਿਰਵੈਰ ਅਕਾਲ ਮੂਰਤਿ

ਅਜੂਨੀ ਸੈਭੰ ਗੁਰ ਪ੍ਰਸਾਦਿ ॥

ਜਪੁ ॥

ਆਦਿ ਸਚੁ, ਜੁਗਾਦਿ ਸਚ

ਹੈਭੀ ਸਚੁ ਨਾਨਕ ਹੋਸੀ

ਭੀ ਸਚੁ ॥

School Song

ज्ञान, स्वाभिमान, कल्याण

Gyan, Swabhimaan, Kalyan is the motto of our school.

Our School : 3, Our B.C.M. School-3

Our Alma Mater is a place of worship
where we learn many things.

We are obliged and thankful to the founder of our school.

Our School is means to reach our destination.

We love you Sir and promise to keep name and
fame of B.C.M. School.

We Love our B.C.M. School – 2

सरस्वती वन्दना

सरस्वती वन्दना

हे शारदे माँ–2
अज्ञानता से हमें तार दे माँ
हे शारदे ....।

तू स्वर की देवी, ये संगीत तुझसे,
हर शब्द तेरा ये हर गीत तुझसे ।
हम हैं अकेले, हम हैं अधूरे ।
तेरी शरण हम हमें प्यार दे माँ
हे शारदे .... ।

तू श्वेतवर्णी कमल पे विराजे
हाथों में वीणा मुकुट सिर पे साजे
मन से हमारे मिटा दो अंधेरे,
उजालों का हमको तू संसार दे माँ
हे ....।

ऋषियों ने समझी या मुनियों ने जानी,
वेदों की भाषा पुराणों की वाणी,
हम भी तो समझे, हम भी तो जाने,
विद्या का हमको तू अधिकार दे माँ,
हे शारदे माँ.......।

सरस्वती वन्दना

शारदे वरदान दे माँ–2
हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी–2
ज्ञान का भण्डार दे माँ
शारदे .... ।

चल सकें हम सत्य पथ पर,
गा सकें शुभ गीत हितकर,
भाव का संचार दे माँ–2
शारदे .... ।

हम सभी तेरे कहाए–2
प्रेम बाँटे प्रेम पाए,
दिव्य निर्मल प्यार दे माँ–2
शारदे .... ।

दीनता से बच सकें हम,
लक्ष्य अपना पा सकें हम,
वह प्रगति का द्वार दे माँ,–2
शारदे .... ।
हंसवाहिनी ....।

सरस्वती वन्दना

जय जय जय माँ सरस्वती

वीणावादिनी स्वर की देवी,

सब के दुख हरती,

जय ....।

तुम हो माता, स्वर का सागर

भर दो खाली मोरी गागर

आए हैं हम शरण तिहारी,

प्यासी है मन की फुलवारी।

जय ....।

आदि मात तू आदि भवानी

प्रतिपालक है माँ जगजननि

शरणागत की लाज बचाओ,

सब पे कृपा माँ तू करती ।

जय ....।

सरस्वती वन्दना

गाइए सरस्वती जगवन्दन
हंसवाहिनी वीणावादिनी,
तू ही दुर्गा तू ही भवानी,
गाइए ....

जनगण वन्दन सब जग वन्दन,
कण-2 में तेरा वास भवानी,
गाइए ....

जगदोउद्धारिणी वाणावादिनी
तू ही तू है जगत जननी माँ
गाइए ....।

शीश मुकुट कानों में कुण्डल,
श्वेतवर्णी हे शारदे माँ
गाइए सरस्वती .... ।

सरस्वती वन्दना

हंसवाहिनी ज्ञानदायिनी
ऐसा हमको वर दो माँ
हर अज्ञानी के जीवन में,
ज्ञान की ज्योति भर दो माँ,
हंसवाहिनी .... ।

माता तुम भण्डार ज्ञान की,
सब जन तुमसे पाते माँ,
सुजला सुफला अमला तू ही,
सब तेरे गुण गाते माँ,
हे जननी जग के कण-कण में,
ज्ञान रोशनी भर दो माँ ।
हर अज्ञानी .... ।

प्रेम भाव विकसित हो जाए,
वैर भाव मिट जाए माँ,
ऊँच नीच का भेद हटे,
सब मिलकर कदम बढ़ाए माँ,
रहे नहीं कोई अज्ञानी,
सब की झोली भर दो माँ
हर अज्ञानी .... ।

शारदे वरदान देना

शारदे वरदान देना
विश्व में सम्मान देना ।

मात अनुपम छवि तुम्हारी ।
निर्मला निश्चल सुखारी ।
सर्वदा तुम न्याय कारी ।
निश्कपट मन दान देना ।।
शारदे........................।

अविद्या का तिमिर हरती ।
ज्ञान का आलोक भरती ।
बुद्धि का विस्तार करती ।
हित–अहित का ज्ञान देना ।
शारदे........................।

आपका आशीष पाऊँ ।
शांति सुख का गीत गाऊँ ।
बीज सेवा के उगाऊँ ।
फल सभी को दान देना ।।
शारदे वरदान देना..............।

वत्सला माँ भारती

वत्सला माँ भारती, भारती माँ वत्सला ।
थाल पूजा का सजा, तेरी उतारें आरती ।

बुद्धि की तू देवी है माँ,
ज्ञान की तू ज्योति है ।
ज्ञान की नवकिरण से
ज्योतिर हमें कर भारती ।
तू स्वरों की देवी है,
हर शब्द तेरा गीत है,
गीत की स्वर लहरियों में,
भाव भर माँ भारती ।
वत्सला माँ ....

कमल आसन पर विराजे, कर में वीणा शुभ्र साजे ।
तार की झन्कार से झंकृत हमें कर भारती ।।
हंस है वाहन तुम्हारा, मन करे निर्मल हमारा ।
नीर क्षीर विवेक दे हम पर कृपा कर भारती ।
हम अकेले हम अधूरे, हर तरफ गहरे अंधेरे ।
प्यार से कह कर हमारा, अंक में ले भारती ।
वत्सला माँ भारती ......

देशभक्ति गीत

नन्हा मुन्ना राही हूँ

नन्हा मुन्ना राही हूँ,
देश का सिपाही हूँ
बोलो मेरे संग जयहिन्द, जयहिन्द, जयहिन्द
जय हिन्द, जय हिन्द

1. रस्ते पे चलूंगा न मैं डर डर के
चाहे मुझे जीना पड़े मर–मर के,
मन्जिल से पहले ना लूंगा कहीं दम,
आगे ही आगे बढ़ाऊँगा कदम,
दाहिने बायें, दाहिने बायें । थम
नन्हा मुन्ना ....।

2. बड़ा होके देश का सहारा बनूँगा,
दुनिया की आंखों का तारा बनूंगा ।
रखूंगा ऊँचा तिरंगा हरदमए आगे ही आगे बढ़ाँऊगा कदम
दाहिने बायें ....। नन्हा ....
बोलो मेरे संग ....

सोने की जहाँ धरती

सोने की जहाँ धरती, चाँदी का गगन है
वह मेरा वतन, मेरा वतन, मेरा वतन है।
सोने की जहाँ....... ।

हर लहर यहाँ गीत, हर मौज है संगीत,
इस दुनिया की जो रीत है, कहते हैं उसे प्रीत,
जर्रा भी जहाँ फूल है सहारा भी चमन है
वह मेरा वतन, मेरा वतन, मेरा वतन है।

हम एक हैं, एक हमारा देश, और एक है बोली
मिल–जुलकर मनाते हैं, दिवाली हो या होली
हर एक जहाँ प्यार की धुन ही में मग्न है,
वह मेरा वतन ....।

छोड़ो कल की बातें

छोड़ो कल की बातें कल की बात पुरानी
नए दौर में लिखेंगे हम मिलकर नई कहानी,
हम हिन्दुस्तानी – 2

1. आज पुरानी जंजीरों को तोड़ चुके हैं,
क्या देखे उस मंजिल को जो छोड़ चुके हैं,
चाँद के दर पे जा पहुँचा है आज ज़माना
नए जगत से हम भी नाता जोड़ चुके हैं
नया खून है नई उमंगें, अब है नई जवानी,
हम हिन्दुस्तानी .... ।

2. आओ मेहनत को अपना ईमान बनाएं,
अपने हाथों को अपना भगवान बनाएं,
राम की इस धरती को गौतम की भूमि को,
सपनों से भी प्यारा हिन्दुस्तान बनाएँ,
नया खून है, नई उमंगे अब है नई जवानी,
हम हिन्दुस्तानी .... ।

हम होंगे कामयाब

हम होंगे कामयाब, होंगे कामयाब,
हम होंगे कामयाब एक दिन,
हो हो, मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम होंगे कामयाब एक दिन ।

हम चलेंगे साथ-साथ, डाले हाथों में हाथ,
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन
हो हो, मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास,
हम चलेंगे साथ-साथ एक दिन,
हम होंगे .... ।

नहीं डर किसी का आज, नहीं भय किसी का आज,
नहीं डर किसी का आज, एक दिन,
हो हो मन में है विश्वास , पूरा है विश्वास
नहीं डर किसी का आज एक दिन
हम होंगे .... ।

होंगी शांति चारों ओर होगी शांति चारों ओर
होगी शांति चारों ओर, एक दिन,
हो हो, मन में है विश्वास, पूरा है विश्वास
होंगी शांति चारों ओर एक दिन
हम होंगे .... ।

भारत माँ की आंखों के तारो

भारत माँ की आंखों के तारों,
नन्हें मुन्ने राजदुलारों ।
जैसे मैंने तुमको संवारा,
वैसे ही तुम देश संवारो ।
भारत माँ की आँख के........ ।

ये जो है एक छोटा सा बस्ता
इल्म के फूलों का गुलदस्ता ।
कृष्ण है इसमें राम है इसमें,
बुधमत और इस्लाम हैं इसमें ।

ये बस्ता ईसा की कहानी
ये बस्ता नानक की बानी ।
इसमें छुपी है हर सच्चाई
अपना सुख औरों की भलाई।

इस बस्ते को शीश नवाओ ।
इस बस्ते पर तन मन वारो ।
भारत माँ की आँख के तारो ......

आज़ादी की खुली हवा में

आज़ादी की खुली हवा में निकले सीना तान के,
हम बालक हिन्दोस्तान के – 2

हम जिस मिट्टी के अंकुर हैं उसकी शान निराली है,
उसके खेतों में सोना है, बागों में हरियाली है – 2
धन दौलत से ज्यादा ऊँचे रिश्ते हैं इंसान के,
हम बालक .... ।

हम भी हंसना सीख रहे हैं, खिलते हुए गुलाब से,
पाठ पढेगें हम जीवन का खुली हुई किताब से – 2
हम भी झेलेंगे सब हमले, आंधी और तूफान के,
हम बालक .... ।

हम भारत के वीर सिपाही

हम भारत के वीर सिपाही
विजय हमारा नारा है ।
अपनी सीमा पर दुश्मन ने,
फिर हमको ललकारा है ।
वन्दे मातरम् .... ।

जब तक प्राण रहेगा बाकी, पीठ नहीं दिखलाएंगे,
भारत माता की रक्षा में, हम शहीद हो जाएंगे ।
देश का चप्पा-2 हमको, प्राणों से भी प्यारा है।
हम भारत ....

अपनी धरती से दुश्मन को मीलों दूर भगाएंगे,
अपने बढ़ते हुए कदम हम, पीछे नहीं हटाएंगे ।
नहीं डरेंगे हम तोपों से, दृढ़ संकल्प हमारा है,
हम भारत ....

सारे जहाँ से अच्छा

सारे जहाँ से अच्छा, हिन्दोस्तां हमारा, हमारा ।
हम बुलबुले हैं इसकी, ये गुलसितां हमारा, हमारा ।।

पर्वत वो सबसे ऊँचा, हम साया आसमाँ का,
वह संतरी हमारा, वो पासवां हमारा, हमारा
सारे जहाँ ....

गोदी में खेलती है, इसकी हज़ारों नदियाँ
गुलशन है जिसके दम से, रश्के जिना हमारा, हमारा
सारे जहाँ ....

मज़हब नहीं सिखाता, आपस में वैर रखना,
हिन्दी हैं हम-3 वतन हैं, हिंदोसतां हमारा, हमारा
सारे जहाँ ....

प्यारा देश

ऊँचे-ऊँचे पर्वत इसके ठंडा-2 पानी ।
हरे भरे बागों में गाती, कोयल स्वर की रानी ।।
कुकू-2 की बोली वाला, प्यारा प्यारा देश ।
कितना अच्छा देश हमारा, कितना प्यारा देश ।।
लम्बी-2 नदियाँ इसके दामन में लहरातीं ।
सागर की लहरें चरणों पर अपना प्यार लुटातीं ।।
बापू गांधी ने दुनिया में, इसका यश फैलाया ।
और तिरंगा झंडा इसका, चंदा तक लहराया ।
तीन रंग के झंडे वाला प्यारा-प्यारा देश ।
कितना अच्छा देश हमारा, कितना प्यारा देश ।।

आशावादी गीत

हो रात का तारा या धूप की धारा ।
हम हैं जहाँ पर हो वहाँ संसार ही सारा ।

1. हमको उदासी की जगह उल्लास भरना है।
कोई जगह हो अब हमें तैयार रहना है।
हम है नई पीढ़ी हमारा तन्त्र है न्यारा
हम है जहाँ ......।
2. इस देश में संगीत की आसावरी है हम,
पर्वत नदी के बीच गूंजी बांसुरी है हम ।
हम है नई पीढ़ी हमारा तन्त्र है न्यारा ।
हम है जहाँ ......।

हो जाओ तैयार साथियो

हो जाओ तैयार साथियो
हो जाओ तैयार, हो जाओ तैयार ।

अर्पित कर दो तन मन धन,
माँग रहा बलिदान वतन ।
अगर देश के काम न आए,
तो जीवन बेकार, हो जाओ .....।

तूफानी गति रूके नहीं,
शीश कटे पर झुके नहीं ।
उठे हुए माथे के सम्मुख
ठहर न पाती हार ।
हो जाओ ....

काँप उठे धरती अम्बर ओर
उठा लो ऊँचा स्वर,
कोटि-2 कंठों से गूँज,
भारत की जयकार,
हो जाओ ......।

जय जन भारत

जय जन भारत, जन मन अभिमत,
जन गण तंत्र विधाता,
गौरव भाल, हिमालय उज्ज्वल,
हृदय हार गंगाजल,
कटि विंध्याचल, सिंधु चरणतल,
महिमा शाश्वत गाता,
जय जन भारत ....।

हरे खेत लहरें, नभ निर्मल
जीवन शोभा उर्वर,
कृषि, कर्मरत, कोटि बाहुबल,
अगणित पग युग पथ पर,
जय जन.................. ।

प्रथम शास्त्र का ज्ञाता
साम ध्वनित गुण गाता ।
जय नव मानवता निर्माता
सत्य अहिंसा दाता,
जय हे–3 ।
शांति अधिष्ठाता,
जय जन ....

झंडा ऊँचे रहे हमारा

झंडा ऊँचा रहे हमारा, विजयी विश्व तिरंगा प्यारा,
झंडा ऊँचा ....।
सदा शक्ति सरसाने वाला,
प्रेम सुधा बरसाने वाला,
वीरों को हर्षाने वाला
मातृभूमि का तन मन प्यारा ।
झंडा ऊँचा ....।

आओ प्यारे वीरों आओ,
देश धर्म पर बलि-2 जाओ ।
एक साथ सब मिलकर गाओ,
प्यारा भारत देश हमारा,
झंडा ऊँचा ....।

इस झंडे के नीचे निर्भय
रहे स्वाधीन हम, अविचल निर्भय,
बोलो भारत माता की जय,
झंडा ऊँचा ....।
विजयी ....।

हिंद देश का प्यारा झंडा

हिन्द देश का प्यारा झंडा ऊँचा सदा रहेगा,
तूफानों और बादलों से भी नहीं झुकेगा ।
नहीं झुकेगा, नहीं झुकेगा, झण्डा नहीं झुकेगा,
हिन्द देश का प्यारा .... ।

केसरिया बल भरने वाला सादा है सच्चाई,
हरा रंग है हरी हमारी धरती का अंगड़ाई,
कहता है यह चक्र हमारा कदम कभी नहीं रूकेगा,
हिंद देश का .... ।

नहीं चाहते हम दुनिया को अपना दास बनाना,
नहीं चाहते हम ओरों के मुँह की रोटी खा जाना ।
सत्य न्याय के लिए हमारा लहू सदा बहेगा,
हिंद देश का प्यारा .... ।

हम कितने सुख सपने लेकर इसको फहराते हैं,
इस झण्डे पर मिटने की कसम सभी खाते हैं।
हिंद देश का यह झण्डा घर-घर में लहराएगा,
हिंद देश .... ।

देश हमें देता है सब कुछ

देश हमें देता है सब कुछ
हम भी तो कुछ देना सीखें ।।

सूरज हमें रोशनी देता, हवा नया जीवन देती है।
भूख मिटाने को हम सबकी धरती पर होती खेती है।
औरों का भी हित हो जिसमें, हम ऐसा कुछ करना सीखें।
देश हमें ....।

पथिकों को तपती दुपहर में,
पेड़ सदा देते हैं छाया,
सुमन सुगंध सदा देते हैं,
हम सबको फूलों की माला,
त्यागी तरुओं के जीवन से,
हम परहित कुछ करना सीखें । ।।2।।
देश हमें ....।

जो अनपढ़ हैं उन्हें पढ़ायें,
जो चुप है उनको वाणी दें,
पिछड़ गये जो उन्हें बढ़ायें
प्यासी धरती को पानी दें ।
हम मेहनत के दीप जलाकर
नया उजाला करना सीखें ।।3।।
देश .... ।

चंदन है इस देश की माटी

चन्दन है इस देश की माटी
तपोभूमि हर ग्राम है,
हर बाला देवी की प्रतिमा,
बच्चा-बच्चा राम है।

हर शरीर मंदिर सा पावन, हर मानव उपकारी है
जहाँ सिंह बन गए खिलौने, गाय जहाँ माँ प्यारी है।
जहाँ सवेरा शंख बजाता, लोरी गाती शाम है।।
चन्दन .... ।

जहाँ कर्म से भाग्य बदलते, श्रम-निष्ठा कल्याणी है,
त्याग और तप की गाथाएँ गाती कवि की वाणी है।
ज्ञान जहाँ का गंगा जल सा, निर्मल है अविराम है।
चन्दन ....।

जिसके सैनिक समर भूमि में गाया करते गीता है।
जहाँ खेत में हल के नीचे, खेला करती सीता है।
जीवन का आदर्श जहाँ पर परमेश्वर का धाम है
चन्दन ....।

लक्ष्य न ओझल होने पाए

लक्ष्य न ओझल होने पाए, कदम मिलाकर चल,
मंजिल तेरे पग चूमेगी, आज नहीं तो कल ।।

सबकी दौलत, सबकी मेहनत, सबकी हिम्मत एक,
सबकी ताकत, सबकी इज्जत, सबकी किस्मत एक ।
शूल बिछे अगणित राहों में, राह बनाता चल ।।1।।

छोड़ किनारा कूद पड़ो, मझधार तुम्हारा डेरा,
खून पसीना बहा के अपना, ला फिर नया सवेरा ।
सीमाओं पर आज मचलता, देश भक्ति का बल ।।2।।

नूतन वेदी बलिदानों की, माँगे आज जवानी,
देनी होगी हम सबको अब देश हेतु कुर्बानी ।
बलिदानों का ढेर लगा इतिहास बनाता चल ।।3।।

भजन

रघुपति राघव राजा राम

रघुपति राघव राजा राम,
पतितपावन सीता राम ।

सीताराम सीताराम
भज प्यारे तू सीता राम ।
रघुपति ....।

ईश्वर अल्लाह तेरो नाम,
सबको सन्मति दे भगवान ।
रघुपति राघव ....।
पतितपावन सीताराम ....।

कभी राम बनके

कभी राम बनके, कभी श्याम बने,
चले आना प्रभु जी चले आना,

तुम राम रूप में आना,
सीता साथ लेके धनुष हाथ लेके,

चले आना, प्रभु जी चले आना ।
कभी ....।

तुम कृष्ण रूप में आना,
राधा साथ लेके बंसी हाथ लेके,

चले आना, प्रभु जी चले आना ।
कभी ....।

तुम शिव जी रूप में आना,
गौरा साथ लेके, डमरू हाथ लेके,

चले आना, प्रभु जी चले आना ।
कभी ....।

छोटी-२ गइयां छोटे-२ ग्वाल

छोटी-2 गैंया, छोटी-2 ग्वाल,
छोटो सो मेरो मदन गोपाल ।
छोटी-छोटी .... ।

आगे-आगे गइयां, पीछे-पीछे ग्वाल
बीच में मेरो मदन गोपाल-2 ।
छोटी-छोटी .... ।

घास खावें गईयां, दूध पीवे ग्वाल,
माखन खावें, मेरो मदन गोपाल,
छोटी-छोटी .... ।

कारी-कारी गइयां, गोरे-गोरे ग्वाल,
श्याम वर्ण मेरो मदन गोपाल ।
छोटी-छोटी गइयां ....।

हे राम हे राम

हे राम, हे राम ......
जग में साँचा तेरो नाम,
हे राम हे राम ......।

तू ही माता, तू ही पिता है,
तू ही तो है राधा का श्याम,
हे राम ....।

तू अन्तर्यामी, सबका स्वामी,
तेरे चरणों में चारों धाम,
हे राम हे राम ....।

तू ही बिगाड़े, तू ही संवारे,
इस जग के सारे काम,
हे राम ....।

तू जगदाता, विश्व विधाता,
तू ही सुबह तू ही शाम
हे राम ....।

नन्हा सा फूल

नन्हा सा फूल हूँ मैं, चरणों की धूल हूँ मैं,
आया हूँ मैं तो तेरे द्वार,
प्रभु जी मेरी पूजा करो स्वीकार,
दाता जी मेरी पूजा करो स्वीकार
नन्हा सा फूल ....।

सुन लो हमारी विनती, ऐसा वरदान दो,
जीवन को जीना सीखें, ऐसा कुछ ज्ञान दो ।
मुझको कुछ गुण मिल जाए
निर्धन को धन मिल जाए,
सुन लो मेरी पुकार,
प्रभु .... ।

हाथ जोड़ खड़ा हूँ मैं,
सुन लो फरियाद मेरी
तड़पूँ मैं हरदम भगवन,
आए जब याद तेरी,
दिल मेरा जब भी धड़के,
यादों में तेरी तड़पे,
करना यही उपकार,
प्रभु ....

प्रभु ऐसो बसो मेरे मन में

प्रभु ऐसे बसो मेरे मन में
कोई देखे न तुझको हममें
प्रभु ऐसे .... ।

जैसे आँखों में आँसू होते हैं
पर नज़र किसी को न आते है
प्रभु ऐसे .... ।

जैसे मेंहदी में लाल रंग होता है
पर नज़र किसी को न आता है।
प्रभु ऐसे .... ।

जैसे दूध में माखन होता है
पर नज़र किसी को न आता है।
प्रभु ऐसे .... ।

भजन

दुनिया चले न श्रीम राम के बिना,
राम जी चले ना हनुमान के बिना,

जब से रामायण पढ़ ली है,
मैंने एक बात समझ ली है,
रावण मरे ना श्रीराम के बिना,
लंका जले ना हनुमान के बिना ।

सीता हरण की कहानी सुन लो,
भक्तों की अपनी जुबानी सुन लो,
सीता न आए श्री राम के बिना,
पता चले न हनुमान के बिना

लक्ष्मण का बचना मुश्किल था
कौन बूटी लाने के काबिल था
लक्ष्मण बचे ना श्रीराम के बिना
बूटी मिले न हनुमान के बिना ।

सिंहासन पर बैठे है श्रीराम जी
चरणों में बैठे हैं हनुमान जी,
मुक्ति मिले न श्री राम के बिना,
भक्ति मिले न हनुमान के बिना,
दुनिया चले .... ।

पायो जी मैंने

पायो जी मैंने राम रतन धन पायो–2 ।
वस्तु अमोलक दी मेरे सतगुरु ।
किरपा कर अपनायो ।
पायो .... ।

जनम–2 की पूंजी पाई,
जग में सभी खोवायो ।
पायो .... ।

खरच न खरचै, चोर न लूटे,
दिन–दिन बढ़त सवायो,
पायो .... ।

सत की नाव खेवटिया सतगुरु,
भवसागर तर आयो ।
पायो .... ।

मीरा के प्रभु गिरधर नागर,
हरष–हरष जस गायो ।
पायो .... ।

दया कर दान

दया कर दान भक्ति का,
हमें परमात्मा देना,
दया करना हमारी आत्मा में,
शुद्धता देना ।
दया कर ....।

हमारे ध्यान में आओ, प्रभु आंखों में बस जाओ,
अंधेरे दिल में आ करके, परम ज्योति जगा देना,
दया ....।

बहा दो प्रेम की गंगा, दिलों में प्रेम का सागर,
हमें आपस में मिल जुल कर ,
प्रभु रहना सिखा देना ।
दया कर ....

हमारा कर्म हो सेवा, हमारा धर्म हो सेवा,
सदा ईमान हो सेवा, हमें सेवक बना देना ।
दया कर ....

वतन के वास्ते जीना, वतन के वास्ते मरना,
वतन पर जाँ फिदा, प्रभु हमको सिखा देना ।
दया कर दान ......

हमको मन की शक्ति देना

हमको मन की शक्ति देना,
मन विजय करे,
दूसरों की जय से पहले,
खुद को जय करें ।
हमको ....।

भेदभाव अपने दिल से साफ कर सकें,
दोस्तों से भूल हो तो माफ कर सकें,
झूठ से बचें रहें, सच का दम भरें ।
दूसरों की जय ....।
हमको ....।

मुश्किलें पड़ें तो हम पे इतना कर्म कर,
साथ दें तो धर्म का, चलें तो धर्म पर,
खुद पे हौंसला रहे, बदी से ना डरे,
दूसरों की जय ....

तुम आशा विश्वास

तुम आशा विश्वास हमारे,
तुम धरती आकाश हमारे,
तुम धरती आकाश हमारे, रामा ......
तुम आशा .... ।

तात मात तुम बन्धु भ्रात हो,
दिवस रात्रि, संध्या, प्रभात हो ।
दीपक, सूर्य, चन्द्र, तारक में रामा,
तुम ही ज्योति, प्रकाश हमारे रामा ।
तुम आशा ....।

सांसों में तुम आते जाते,
एक तुम्हीं से हैं सब नाते ।
जीवन पथ के हर आंगन में रामा,
एक तुम्हीं मधुमास हमारे, रामा ।
तुम आशा विश्वास हमारे ।
तुम धरती.............

भगवान मेरी फुलवारी को

भगवान मेरी फुलवारी को,
दुनिया में ऊँचा कर देना ।
विद्या के मोती चुन-चुनकर
फूलों से झोली भर देना ।
हम लाल हैं भारत माता के,
भारत की ऊँची शान करें ।
मानवता को हम पूजेंगे,
माँ बाप गुरु का मान करें ।
अज्ञान अंधेरा दूर करो तनमन में उजाला कर देना,
विद्या के मोती चुन-चुनकर,
फूलों से झोली भर देना ।
भगवान मेरी ....।
बलवान बनें, गुणवान बनें।
सत्य-धर्म से मुझको काम रहे,
जो मुझ को ज्योति मिले यहाँ,
मेरे साथ वो सुबह शाम रहें ।
भारत में मेरा नाम रहे भगवान,
तू ऐसा वर देना,
फूलों से झोली भर देना ।
भगवान मेरी ....।

ईश्वर तुम्हीं दया करो

ईश्वर तुम्हीं दया करो,
तुम बिन हमारा कौन है,
दुर्बलता दीनता हरो, तुम.........।

माता तू ही, तू ही पिता
बन्धु तू ही, तू ही सखा ।
तू ही हमारा आसरा ।
तुम ......।

जग को रचाने वाले तुम,
दुखड़े मिटाने वाले तुम
बिगड़ी बनाने वाले तुम, तुम बिन .....।

तेरी लगन तेरा मनन, भक्ति तेरी तेरा भजन,
तेरी ही आते हम शरण, तुम बिन
बालक सभी हैं हम तेरे,
तू है पिता परमात्मा ।

तू श्रेष्ठ मार्ग पर चला,
तुम बिन ....।
ईश्वर तुम्हीं दया ....

नमस्कार भगवान तुम्हें

नमस्कार भगवान तुम्हें
बच्चों का बारम्बार हो,
श्रद्धारूपी भेंट हमारी,
मंगलमय स्वीकार हो ।
नमस्कार .....।

तुम कण-2 में रमे हुए हो,
तुझमें जगत समाया है,
तिनका हो चाहे पर्वत हो,
सभी तुम्हारी माया है।
तुम दुनिया के हर प्राणी के
जीवन के आधार हो ।
श्रद्धारूपी .... ।

सबके सच्चे पिता तुम्हीं हो, तुम्हीं जगत की माता हो,
भाई बन्धु रक्ष सखा तुम, सहायक रक्षक दाता हो,
चींटी से लेकर हाथी तक, सबके सृजनहार हो,
श्रद्धारूपी ......

हर देश में तू

हर देश में तू हर वेष में तू,
तेरे नाम अनेक, तू एक ही है।

सागर से उठा झरना हो गया,
झरने से उठा प्रताप बना,
दुनिया को बनाने वाला है तू,
दुख सबके मिटाने वाला है तू,
हर देश ....।

यह दिव्य दिखाया है जिसने,
वह है गुरुदेव की करुण दया,
मतभेद नहीं उसका किसी में,
बस में और तू सब एक ही है,
हर ......।

यह ईश हमारा न्यारा है,
सारे जग को यह प्यारा है,
मुश्किल जो आ जाए कभी,
छाया सबकी बन जाता है तू,
हर देश .....

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम

ऐ मालिक तेरे बन्दे हम, ऐसे हो हमारे करम
नेकी पर चलें और बदी से डरें
ताकि हँसते हुए निकले दम ।
ऐ मालिक ......।

ये अंधेरा घना छा रहा, तेरा इन्सान घबरा रहा ।
हो रहा बेखबर, कुछ न आता नज़र,
सुख का सूरज छिपा जा रहा ।
है तेरी रोशनी में जो दम, तू अमावस को कर दे पूनम।
नेकी ....

बड़ा कमज़ोर है आदमी, अभी लाखों में इसमें कमी,
पर तू जो खड़ा है दयालु बड़ा तेरी कृपा से धरती थमी ।
दिया तूने हमें जब जन्म, तू ही ले लेगा हम सबके गम ।
नेकी ......

जब जुल्मों का हो सामना, तब तू ही हमें थामना,
वो बुराई करें, हम भलाई करें, नहीं बदले की हो भावना ।
बढ़ उठे प्यार का हर कदम और मिटे वैर का ये भरम ।
नेकी पर ....

पावन है वह

पावन है वह प्रभु हमारा, उसकी जय जयकार करो
निर्बल का वह बल है न्यारा, उसकी जय - 2........
जय हो, जय हो, जय हो ।

दीन - दुखियों को है वो दाता
भटके हुओं को राह बताता - 2
सीधे मार्ग में हमें चलाता,
उसकी जय कार करो .... ।

प्रभु हमारा बड़ा महान, निर्बुद्धियों को देता ज्ञान,
हम सब का वह बचाता प्राण, उसकी जै जै कार करो

प्रभु की महिमा अपरम्पार,
जग का वह है तारणहार,
मानो उसे अपना आधाार,
उस की जय-2 कार करो,
पावन .... ।

इक तू ही भरोसा इक तू ही सहारा

इक तू ही भरोसा इक तू ही सहारा।
इस तेरे जहाँ में नहीं कोई हमारा ।
ईश्वर या अल्लाह ये पुकार सुन ले,
ईश्वर अल्लाह हे दाता ।

हमसे न देखा जाए बरबादियों का समा,
उजड़ी हुई बस्ती में यूँ तड़पते इन्सां
नन्हें जिस्मों के टुकड़े लिए खड़ी है इक माँ,
बारुद के धुएँ में तू ही बोल जाए कहाँ
इक तू ही भरोसा .....।

नादान हम हैं मालिक क्यों दी हमें ये सजा,
क्यो है सभी के दिल में नफरत का जहर भरा।
इन्हें फिर से याद दिला सबक वो प्यार का,
बन जाए फिर से गुलशन कांटो भरी ये दुनिया ।
इक तू ही भरोसा ......।

ईश्वर जो कुछ करता है

ईश्वर जो कुछ करता है अच्छा ही करता है
मानव तू परिवर्तन से काहे का डरता है।

जब से दुनिया बनी है तब से रोज बदलती है
जो शै आज यहाँ है, कल वो आगे चलती है।
देख के अदला बदली तू आहें क्यों भरता है,
मानव तू परिवर्तन से ....।

दुख सुख आते जाते रहते सब के जीवन में,
पतझड़ और बहारें दोनों जैसे गुलशन में,
चढ़ता है तूफान कभी और कभी उतरता है
मानव तू परिवर्तन से .....।

वो दाना ही फलता है जो खाक में मिल जाए
सहे राह के कांटे जो वो मंजिल अपनी पाए ।
भट्टी में पकड़ कर सोने का रंग निखरता है,
मानव तू परिवर्तन से ....।

तेरी शरण

ए–खुदा तेरी शरण सबसे प्यारी है
तेरे बिना हरपल यहाँ अधूरा सा लगता है,

1. तेरी शरण में कितने लोग आते जाते है,
कोई आता है कोई जाता है, कोई भूल जाता है
ले चल मुझे तू वहीं, जीवन की राहों पर–मिट्टी
हूँ मैं ,
कुछ भी नहीं तेरे हाथों की ।

2. टूटे हुए दिल तेरी शरण में, खुशियाँ पाते हैं,
हर एक भटके मुसाफिरों को, तू ढूंढ लाता है,
इन आँसुओं को लेकर तू, इक गीत बनाता है,
जीवन सफर में वो गीत हम गुनगुनाते हैं ।
ए खुदा, तेरी शरण .... ।
तेरे बिना .... ।
अधूरा ....

जीवन नैय्या भव सागर में

जीवन नैय्या भव सागर में बहती जाए, प्रभु तेरे सहारे,
तुम हो रक्षक हे मेरे प्रभु, याचक आए तेरे द्वारे ।

पाप की आँधी मन घबराये
नैय्या में पानी बढ़ता ही जाये
ऐसी दशा में मेरे भगवन
तुम ही लगाओ इसको किनारे ।
जीवन ....।

विषयों में पड़कर तुझको भुलाया,
जीवन सारा व्यर्थ गंवाया ।
विपदा में रोता है मेरे भगवन
बिगड़ी दशा अब कौन संवारे ।
जीवन .....।

भजन

(स्तुति अराधना ऊपर जाती हैं)

स्तुति अराधाना ऊपर जाती हैं,
आशीषें देखो नीचे आती है ।
प्रभु हमारा कितना महान,
देखो हमसे करता है प्यार ।

प्रभु मुझको बना तू अपना पवित्र स्थान,
धोकर शुद्ध कर अपने लहू से,
मैं धन्यवाद के साथ मानता तेरी बात,
जीयूँगा प्रभु मैं तेरे लिए ।

प्रभु मेरा जीवन तूने कितने आशीषों से भरा,
इसलिए मैं कहता हूँ प्रभु से प्यार है मुझे,
और ऊँचा - ऊँचा तेरा नाम सदा ।

ਸ਼ਬਦ

ਦੇਹਿ ਸ਼ਿਵਾ ਬਰ ਮੋਹਿ

ਦੇਹਿ ਸਿਵਾ ਬਰ ਮੋਹਿ ਇਹੈ
ਸ਼ੁਭ ਕਰਮਨ ਤੇ ਕਬਹੂੰ ਨਾ ਟਰੋਂ ।।

ਨ ਡਰੋਂ ਅਰਿ ਸੋ ਜਬ ਜਾਇ ਲਰੋਂ ।
ਨਿਸਚੈ ਕਰ ਆਪਨੀ ਜੀਤ ਕਰੋਂ ।।

ਅਰੁ ਸਿਖ ਹੋ ਆਪਨੇ ਹੀ ਮਨ ਕੋ
ਇਹ ਲਾਲਚ ਹਉ ਗੁਨ ਤਉ ਉਚਰੋਂ ।

ਜਬ ਆਵ ਕੀ ਅਉਧ ਨਿਦਾਨ ਬਨੈ ।
ਅਤ ਹੀ ਰਨ ਮੈਂ ਤਬ ਜੂਝ ਮਰੋਂ ।।

(ਅੰਗ 1295)

ਸ਼ਬਦ

ਸਾਸ ਸਾਸ ਸਿਮਰਓ ਗੋਬਿੰਦ
ਮਨ ਅੰਤਰ ਕੀ ਉਤਰੇ ਚਿੰਤ
ਪੂਰੇ ਗੁਰ ਕਾ ਸੁਣ ਉਪਦੇਸ
ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ ਨਿਕਟ ਕਰ ਪੇਖ
ਆਸ ਅੰਨਤ ਤਿਆਗਹੁ ਤਰੰਗ
ਸੰਤ ਜੰਨਾ ਕੀ ਧੂੜ ਮਨ ਮੰਗ
ਆਪ ਛੋੜ ਬਿੰਨਤੀ ਕਰਹੁ
ਸਾਧ ਸੰਗ ਅੰਗਨ ਸਾਗਰ ਤਰਹੁ
ਹਰ ਧਨ ਕੇ ਭਰ ਲਹਿ ਭੰਡਾਰ
ਨਾਨਕ ਗੁਰ ਪੂਰੇ ਨਮਸ਼ਕਾਰ

ਦੁਖ ਭੰਜਨ ਤੇਰਾ ਨਾਮੁ ਜੀ

ਦੁਖ ਭੰਜਨ ਤੇਰਾ ਨਾਮ ਜੀ ਦੁਖ ਭੰਜਨ ਤੇਰਾ ਨਾਮੁ ॥
ਆਠ ਪਹਰ ਆਰਾਧੀਏ' ਪੂਰਨ ਸਤਿਗੁਰ ਗਿਆਨ ॥ 1॥

ਜਿਤੁ ਘਟਿ ਵਸੈ ਪਾਰਬ੍ਰਹਮ , ਸੋਈ ਸੁਹਾਵਾ ਥਾਉ
ਜਮ ਕੰਕਰ ਨੇੜਿ ਨ ਆਵਈ ਰਸਨਾ ਹਰਿ ਗੁਣ ਗਾਉ ॥

ਸੇਵਾ ਸੁਰਤਿ ਨਾ ਜਾਣੀਆ, ਨ ਜਾਪੈ ਆਰਾਧਿ
ਓਟ ਤੇਰੀ ਜਗਜੀਵਨਾ ਮੇਰੇ ਠਾਕੁਰ ਅਗਮ ਅਗਾਧਿ ॥2॥

ਭਏ ਕ੍ਰਿਪਾਲ ਗੁਸਾਇਆ, ਨਠੇ ਸੋਗ ਸੰਤਾਪ
ਤਤੀ ਵਾਉ ਨਾ ਲਗਈ, ਸਤਿਗੁਰਿ ਰਖੇ ਆਪਿ ॥3॥

ਗੁਰ ਨਾਰਾਇਣ ਦਯੁ ਗੁਰ ਗੁਰ ਸਚਾ ਸਿਰਜਣਹਾਰ ।
ਗੁਰਿ ਤੁਠੈ ਸਭ ਕਿਛੁ ਪਾਇਆ, ਜਨ ਨਾਨਕ ਸਦ ਬਲਿਹਾਰ ॥3॥

(ਅੰਗ 442)

ਜਿਸ ਕੇ ਸਿਰ ਊਪਰਿ ਤੂੰ ਸੁਆਮੀ

ਜਿਸ ਕੇ ਸਿਰ ਊਪਰਿ ਤੂੰ ਸੁਆਮੀ,
ਸੋ ਦੁਖੁ ਕੈਸਾ ਪਾਵੈ ।।
ਬੋਲਿ ਨਾ ਜਾਏ ਮਾਇਆ ਮਦਿ ਮਾਤਾ
ਮਰਣਾ ਚੀਤਿ ਨਾ ਆਵੈ ।।1।।

ਜਿਸ ਕੇ ਸਿਰ ਊਪਰਿ ਤੂੰ ਸੁਆਮੀ]
ਸੋ ਦੁਖੁ ਕੈਸਾ ਪਾਵੈ ।।
ਮੇਰੇ ਰਾਮਰਾਇ, ਤੂੰ ਸੰਤਾ ਕਾ ਸੰਤ ਤੇਰੇ ।
ਤੇਰੇ ਸੇਵਕ ਕਉ ਭਉ, ਕਿਛੁ ਨਾਹੀਂ
ਜਮੁ ਨਹੀਂ ਆਵੈ ਨੇਰੇ ।।1।। ਰਹਾਉ ।।

ਜੋ ਤੇਰੇ ਰੰਗਿ ਰਾਤੇ ਸੁਆਮੀ
ਤਿਨ ਕਾ ਜਨਮ ਮਰਨ ਦੁਖੁ ਨਾਸਾ ।।
ਤੇਰੀ ਬਖਸ਼ ਨ ਮੇਟੇ ਕੋਈ ।
ਸਤਿਗੁਰ ਦਾ ਦਿਲਾਸਾ ।।2।।

ਨਾਮ ਧਿਇਅਨ ਸੁਖ ਫਲਪਾਇਨਿ,
ਆਠ ਪਹਰ ਆਰਾਧਹਿ ।।
ਤੇਰੀ ਸਰਣਿ ਤੇਰੈ ਭਰਵਾਸੈ ,
ਪੰਚ ਦੁਸਟ ਲੈ ਸਾਧਹਿ ।।3।।

ਗਿਆਨ ਧਿਆਨੁ ਕਿਛੁ ਕਰਮੁ ਨਾ ਜਾਣਾ,
ਸਾਰ ਨ ਜਾਣਾ ਤੇਰੀ ।।
ਸਭ ਤੇ ਵਡਾ ਸਤਿਗੁਰੁ ਨਾਨਕੁ,
ਜਿਨ ਕਲ ਰਾਖੀ ਮੇਰੀ ।।4।। (ਅੰਗ–197)

ਸ਼ਬਦ

ਠਾਕੁਰ ਜਾ ਸਿਮਰਾ ਤੂੰ ਤਾਹੀ ॥
ਤੂੰ ਦਾਤਾ ਜੀਆ ਸਭਨਾ ਕਾ
ਬਸਹੁ ਮੇਰੇ ਮਨ ਮਾਹੀ ॥
ਚਰਣ ਕਮਲ ਰਿਦ ਮਾਹਿ ਸਮਾਏ,
ਤਹ ਭਰਮੁ ਅੰਧੇਰਾ ਨਾਹੀ ॥੧॥
ਕਰ ਕਿਰਪਾ ਸਰਬ ਪ੍ਰਤਿਪਾਲਕ
ਪ੍ਰਭ ਕਉ ਸਦਾ ਸਲਾਹੀ ॥ ਰਹਾਉ ॥
ਸਾਸਿ ਸਾਸਿ ਤੇਰਾ ਨਾਮੁ ਸਮਾਰਉ
ਤੁਮ ਹੀ ਕਉ ਪ੍ਰਭ ਆਹੀ ॥
ਨਾਨਕ ਟੇਕ ਭਈ ਕਰਤੇ ਕੀ,
ਹੋਰ ਆਸ ਬਿਡਾਨੀ ਲਾਹੀ ॥੨॥੧੧॥

ਸ਼ਬਦ

ਰੈਣਿ ਦਿਨਸੁ ਪਰਭਾਤਿ ਤ ਹੈ ਹੀ ਗਾਵਣਾ ॥
ਜੀਅ ਜੰਤ ਸਰਬਤ ਨਾਉ ਤੇਰਾ ਧਿਆਵਣਾ ॥
ਤੂ ਦਾਤਾ ਦਾਤਾਰੁ, ਤੇਰਾ ਦਿਤਾ ਖਾਵਣਾ ॥
ਭਗਤ ਜਨਾ ਕੇ ਸੰਗਿ ਪਾਪ ਗਵਾਵਣਾ ॥
ਜਨ ਨਾਨਕ ਸਦ ਬਲਿਹਾਰੈ ਬਲਿ ਬਲਿ –
– ਜਾਵਣਾ ॥

ਸ਼ਬਦ

ਜਿਥੇ ਜਾਇ ਬ ਹੈ ਮੇਰਾ ਸਤਿਗੁਰੂ
ਸੋ ਥਾਨੁ ਸਹਾਵਾ ਰਾਮ ਰਾਜੇ ।।
ਗੁਰ ਸਿਖਾ ਕੀ ਘਾਲ ਖਾਇ ਪਈ
ਜਿਨ ਹਰਿ ਨਾਮੁ ਧਿਆਵਾ ।।
ਜਿਨ ਨਾਨਕੁ ਸਤਿਗੁਰੁ ਪੁਜਿਆ
ਤਿਨ ਹਰਿ ਪੂਜ ਕਰਾਵਾ ।।

ਸ਼ਬਦ

ਠਾਕੁਰ ਤੁਮ ਸਰਣਾਈ ਆਇਆ ॥
ਉਤਰਿ ਗਇਓ ਮੇਰੇ ਮਨ ਕਾ ਸੰਸਾ
ਜਬ ਤੇ ਦਰਸਨ ਪਾਇਆ ॥ ਰਹਾਉ ॥
ਅਨਬੋਲਤ ਮੇਰੀ ਬਿਰਥਾ ਜਾਨੀ,
ਅਪਨਾ ਨਾਮੁ ਜਪਾਇਆ ॥
ਦੁਖ ਨਾਠੇ ਸੁਮ, ਸਹਜਿ ਸਮਾਏ,
ਅਨਦ ਅਨਦ ਗੁਣ ਗਾਇਆ ॥੧॥
ਬਾਹ ਪਕਰਿ ਕਢਿ ਲੀਨੇ ਅਪੁਨੇ,
ਗ੍ਰਿਹਿ ਅੰਧ ਕੂਪ ਤੇ ਮਾਇਆ ॥
ਕਹੁ ਨਾਨਕ ਗੁਰ ਬੰਧਨ ਕਾਟੇ,
ਬਿਛੁਰਤ ਆਨਿ ਮਿਲਾਇਆ ॥

ਸਰਬ ਰੋਗ ਦਾ ਅਉਖਦੁ ਨਾਮੁ ॥

ਸਰਬ ਰੋਗ ਦਾ ਅਉਖਦੁ ਨਾਮੁ ।
ਕਲਿਆਣ ਰੂਪ ਮੰਗਲ ਗੁਣ ਗਾਮ ॥

ਬੀਜ ਮੰਤ੍ਰੁ ਸਰਬ ਕੋ ਗਿਆਨ ।
ਚਹੁ ਵਰਨਾ ਮਹਿ ਜਪੈ ਕੋਉ ਨਾਮੁ ॥

ਜੋ ਜੋ ਜਪੈ ਤਿਸ ਕੀ ਗਤਿ ਹੋਇ ।
ਸਾਧਸੰਗਿ ਪਾਵੈ ਜਨੁ ਕੋਇ ॥

ਕਰਿ ਕਿਰਪਾ ਅੰਤਰਿ ਉਹ ਧਾਰੈ ।
ਪਸੁ ਪ੍ਰੇਤ ਮੁਘਦ ਪਾਥਰ ਕਉ ਤਾਰੈ ॥

ਕਾਹੂ ਜੁਗਤਿ ਕਿਤੈ ਨ ਪਾਈਐ ਧਰਮਿ ।
ਨਾਨਕ ਤਿਸੁ ਮਿਲੈ ਜਿਸੁ ਲਿਖਿਆ ਧੁਰਿ ਕਰਮਿ ॥

ਰਾਖਾ ਏਕੁ ਹਮਾਰਾ ਸੁਆਮੀ

ਰਾਖਾ ਏਕੁ ਹਮਾਰਾ ਸੁਆਮੀ ॥
ਸਗਲ ਘਟਾ ਕਾ ਅੰਤਰਜਾਮੀ ॥1॥ ਰਹਾਉ ॥

ਊਠਤ ਸੁਖੀਆ ਬੈਠਤ ਸੁਖੀਆ ॥
ਭਉ ਨਹੀਂ ਲਾਗੈ ਜਾਂ ਐਸੇ ਬੁਝੀਆ ॥1॥

ਸੋਇ ਅਚਿੰਤਾ ਜਾਗਿ ਅਚਿੰਤਾ ॥
ਜਹਾ ਕਹਾਂ ਪ੍ਰਭ ਤੂੰ ਵਰਤੰਤਾ ॥2॥

ਘਰਿ ਸੁਖਿ ਵਸਿਆ, ਬਾਹਰਿ ਸੁਖੁ ਪਾਇਆ ॥
ਕਹੁ ਨਾਨਕ ਗੁਰਿ ਮੰਤ੍ਰੂ ਦ੍ਰਿੜਾਇਆ ॥3॥ 2 ॥

Children Songs

Flowers in the garden

Flowers in the garden
O, What a fun
Thank you rain and thank you sun,
Yellow and red and pink and blue,
Pretty as me as lovely as you.

Red Light

Red Light, Red Light,
What do you say,
I say stop stop right away,
Yellow Light Yellow Light,
What do you say,
I say wait wait,
till the light is green
Green light green light,
What do you say,
I say go go right away.

Be Careful Little Eyes

Be careful little eyes what you see-2
for your father of above is looking on this world so
be careful little eyes what you see.

Be careful little ears what you hear-2
for your father of above is looking on this world
so be careful little ears what you hear.

Be careful little tongue what you speak-2
for your father above is looking on this world so
be careful tongue what you speak.

Be careful little feet where you go-2
for your father of above is looking on this world so
be careful little feet where you go.

So be careful little eyes what you see

So be careful little ears what you hear

So be careful little tongue what you speak

So be careful little feet where you go.

Our National Flag

Three colours in the Indian Flag
Saffron, White and Green.
I would like to tell you,
to me what they mean,
Saffron is for courage.
for people strong and brave.
White is for purity,
for peace which we crave.
Green is for prosperity,
for my country to grow.
To be ahead to others,
and never to be slow.

Vegetable Power

Tomatoes make your cheek's red,
Carrots make you jump ahead,
Spinach makes you very strong,
Peas make you dance along.
Eat your vegetables everyday,
And you'll always be happy and gay.

Clap your hands together

1. Clap your hands together,
   and praise the Lord-2.
   Join together and sing,
   Joy to the whole world bring.
   Clap your hands together and
   praise the lord.

2. Lift your hands together,
   And praise the Lord-2
   Look onto his face
   Seek his wonderous grace.
   Lift your hands together
   And praise the Lord.

3. Join your hands together
   And praise the Lord-2
   Stand in Unity, Shout out you are free.
   Join your hands together.
   And praise the Lord.

The farmer in the Dell

The farmer in the dell,
    the farmer in the dell.
Heigh ho the derry ho,
    the farmer in the dell.
The farmer takes a wife-2
    Heigh .... the farmer takes a wife.
The wife takes a child -2
    Heigh .... the wife takes a child.
The child takes the nurse - 2
    Heigh .... the child takes a nurse.
The nurse takes the dog-2
    Heigh .... the nurse takes the dog.
The dog takes the cat-2
    Heigh .... the dog takes the cat.
The cat takes the rats-2
    Heigh .... the cat takes a rats.
The rat takes the cheese-2
    Heigh .... the rat takes a cheese.
The cheese stands alone-2
    Heigh .... the cheese stands alone.

Billy boy

Oh, Where have you been
    Billy Boy Billy Boy.
Oh, where have been
    Charming Billy.
I have been to seek a wife,
  She's the joy of my life.
She's the young thing and cannot
  leave her mother.
Did she bid you come in
    Billy Boy Billy Boy.
Did she bid you to,
    Come in charming Billy ?
Yes, she bade me to come in
  There's a dimple on her chin.
She's a young thing and cannot
  leave her mother.
Can she make a cherry pie,
    Billy Boy Billy Boy.
Can she make a cherry pie
    Charming Billy ?
She can make a cherry pie ?
  Quicks a cat can wink her eyes ?
She's a young thing and cannot leave her mother
  How old is she Billy Boy, Billy Boy.
How old is she charming Billy ?
  Three times six, four times seven,
Twenty eight and eleven,
  She's a young thing and
cannot leave her mother.

We shall overcome

We shall overcome-2

We shall overcome someday.

O, deep in my heart.

I do believe, we shall overcome someday.

We shall live in peace -2

We shall live in peace someday.

O deep, in my heart.

I do believe.

We shall live in peace someday.

We shall walk together-2.

We shall walk together someday.

O, deep in my heart.

I do believe,

We shall walk together someday.

We are not afraid-2

We are not afraid anyday.

O deep in my heart.

I do believe, we are not afraid anyday,

We shall......

Open The Eyes

Open the eyes of my heart -Lord,

Open the eyes of my heart,
I want to see you - 2

See you higher lifted up,
Shining in the light of your glory,
Pour out your power end love,
and we sing holy-holy-holy(3)

Open the eyes of my heart-Lord.

Give Me Oil

Give me oil in my lamp
Keep me burning - burning
Give me oil in my lamp, I pray,
Give me oil in my lamp
Keep me burning - burning,
Keep me burning till the end of day

Sing hosana, Sing hosana, Sing hosana, to King of Kings (2)

Give me joy in my heart
Keep me joyful - joyful
Give me joy in my heart, I pray
Give me joy in my heart
Keep me joyful - joyful
Keep me joyful till the end of day

बालगीत

गुणगान

सूर्य सदा अपनी किरणों से
अंधकार हर लेता है।

चन्दा मामा सारे जग में,
शीतलता भर देता है।

उमड़-घुमड़कर जब-जब नभ में,
काले बादल आते हैं।

अपने पानी से धरती में,
हरियाली ले आते हैं।

फूल सदा अपनी सुगंध से,
वसुन्धरा महकाते हैं।

सुखद हवा के शीतल झोंके,
मन प्रसन्न कर जाते हैं।

नदियां कभी ना पानी पीती,
वृक्ष नहीं फल खाते हैं।

काम दूसरों के जो आता,
उनके सब गुण गाते हैं।

दादी अम्मां

दादी अम्मां-2 मान जाओ,
छोड़ो जी ये गुस्सा जरा हंस के दिखाओ
दादी ....।

छोटी-2 बातों पर ना बिगड़ा करो-2
गुस्सा हो तो ठंडा पानी पी लिया करो ।
खाली पीली अपना कलेजा न जलाओ ।
दादी अम्मा ....।

दादी तुम्हें हम तो मना के रहेंगे-2
खाना अपने हाथों से खिला के रहेंगे ।
चाहे हमें मारो चाहे हमें धमकाओ,
दादी ....।

हमसे जो भूल हुई माफ करो माँ,
गले लग जाओ दिल साफ करो माँ ।
अच्छी सी कहानी कोई हमको सुनाओ,
दादी अम्मां ....।

नानी तेरी मोरनी

नानी तेरी मोरनी का मोर ले गए,
बाकी जो बचा था काले चोर ले गए।

खाके पी के मोटे होके, चोर बैठे रेल में,
चोरों वाला डिब्बा कट के पहुँचा सीधे जेल में,
नानी तेरी ....।

उन चोरों की खूब खबर ली, मोटे थानेदार ने
मोरों को भी खूब नचाया, जंगल की सरकार ने,
नानी ....।

अच्छी नानी प्यारी नानी, रुसा-रुसी छोड़ दो,
जल्दी से इक पैसा दे दे, तू कंजूसी छोड़ दे,
नानी ....।

इनसे सीखें

फूल-फूल मुस्कान लुटा कर
हमको सबक सिखाते हैं
जो कांटों में खिलते-पलते,
जग में आदर पाते हैं।
दीपक रात-रात भर जल कर,
हमको राह दिखाता है।
अंधकार पीने वाला का
नाम अमर हो जाता है।
लहर-लहर तट से टकरा कर
हमको धैर्य बंधाती हैं।
इसी तरह बहते रहने से
मंजिल मिल जाती है।
वृक्ष सदा फल, फूलदान कर,
हमको यह समझाते हैं।
दूजों के हित जाने वाले,
त्यागी कहलाते हैं।
आओ हम भी सीखें इनसे,
हंसना और हँसाना ।
औरों के हित जीना-मरना
जीवन सफल बनाना ।

बच्चे तो भगवान की मूरत

बच्चे तो भगवान की मूरत होते हैं
बच्चे तो अल्लाह की सूरत होते हैं।

हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई, इनके लिए एक जैसे,
उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम इनके लिए इक जैसे,

प्यार ही इनका मज़हब, प्यार ही इनकी पूजा ।
ये तो सच्चाई की सूरत होते हैं।
बच्चे तो भगवान की मूरत होते हैं।
बच्चे ....।

अपना रूप दिखाने को ईश्वर के मन में आया,
तब उसने फूलों जैसे सुन्दर बच्चों को बनाया ।
खूबसूरत कुदरत की ये नयामत होते हैं,
बच्चे ....।

निर्धन और धनवान न देखे,
ऊँच-नीच ना माने,
जात-पात ना पूछे किसी से,
भेदभाव ना जाने ।
इंसानियत की ये अमानत होते हैं।
बच्चे तो ....।

लकड़ी की काठी

लकड़ी की काठी काठी पे घोड़ा,
घोड़े की दुम पे जो मारा हथौड़ा,
दौड़ा–3 घोड़ादुम उठा के दौड़ा ।

घोड़ा पहुँचा चौंक में, चौक में था नाई,
घोड़े की नाई ने हजामत जो बनाई।
तकबक तकबक तकबक तकबक .... ।

घोड़ा पहुंचा .... ।
घोड़े जी की नाई .... ।
दौड़ा–3 घोड़ा दुम उठा के दौड़ा ।
लकड़ी .... ।

घोड़ा था घमण्डी, पहुँचा सब्जी मण्डी,
सब्जी मण्डी बर्फ पड़ी थी, बर्फ में लग गई ठण्डी ।
तक बक .... ।
घोड़ा था घमण्डी....... ।
सब्जी .... । दौड़ा–3 घोड़ा .... ।
लकड़ी .... ।।

घोड़ा अपना तगड़ा है, देखो कितनी चर्बी है।
चलता है महरौली में पर घोड़ा अपना अरबी है।
डाक चुरा के भागा घोड़ा, दुम उठा .... ।
लकड़ी .... ।

बच्चे मन के सच्चे

बच्चे मन के सच्चे, सारे जग की आँख के तारे,
ये वो नन्हें फूल हैं, जो भगवान को लगते प्यारे ।
बच्चे .... ।

खुद रूठे खुद मन जाएं, फिर हमजोली बन जाएं।
झगड़ा जिसके साथ करें, अगले ही पल फिर बात करें।
इनको किसी से वैर नहीं, इनके लिए कोई गैर नहीं,
इनका भोलापन मिलता है, सबको बांह पसारे ।
बच्चे .... ।

इंसा जब तक बच्चा है, तब तक समझो सच्चा है,
ज्यों-ज्यों उसकी उमर बढ़े, मन पर झूठ का मैल चढ़े ।
क्रोध बढ़े नफरत घेरे, लालच की आदत घेरे ।
बचपन इन पापों से हटकर, अपनी उमर गुजारे,
बच्चे मन .... ।

तन कोमल मन सुन्दर है, बच्चे बड़ों से बेहतर हैं
इनमें छूत और छात नहीं, झूठी जात और पात नहीं।
भाषा की तकरार नहीं, मज़हब की दीवार नहीं।
इनकी नज़रों में इक है, मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे ।
बच्चे मन के....... ।

जीवन हम अर्पित कर जाएं

फूलों जैसी महक लुटाएं
हम सारे जग को महकाएँ,
चाहे यही परहित में अपना
जीवन हम अर्पित कर जाएँ।

हम सब नन्हे मुन्ने बच्चे,
खिलती कलियाँ मन के सच्चे ।
मान बढ़े जिससे स्वदेश का,
काम करें हम अच्छे अच्छे ।
देश जाति की सेवा में हम,
भले भूल अपना सुख जाएं।

पग–पग पथ पर पाँव बढ़ाते ।
गीत उमंगों के हम गाते ।
श्रम के फूल समर्पित करके,
समय देवता को अंचवाते ।

हम बोएं सद्भाव स्नेह के बीज,
प्यार की पौध उगाएं।
चाह यही परहित में अपना,
जीवन हम अर्पित कर जाएं।

स्वागत नूतन वर्ष

नए क्षितिज पर उगता सूरज, चारों ओर नया उजियारा,
स्वागत नूतन वर्ष तुम्हारा ।

खट्टी-मीठी यादें देकर, विदा हो गया वर्ष पुराना ।
नया कैलेंडर लेकर आया, नई छुट्टियों का नज़राना ।
जीवन की नैया को जैसे
आज मिला है नया किनारा ।
स्वागत नूतन वर्ष तुम्हारा ।

जो सपने कर रहे अधूरे,
उनको अब साकार बनाएं।
अपने हरियाले उपवन में,
आशाओं के फूल खिलाएँ ।
बन जाए सोने की चिड़िया,
फिर से भारत वर्ष हमारा
स्वागत नूतन वर्ष तुम्हारा।

Occasional Songs

स्वागत-गीत

आओ सभी शुभ मंगल गाएं-2
इस आंगन मेहमान पधारे-2 ।

आंगन की कलियाँ सब महकी,
पुलकित तन मन हंसी अधर पर,
आओ ....।

विद्यालय के गौरव आए, हंस-2 कर खिल गए हृदय मन,
स्वागत हेतु आज सभी के मन, मंदिर में जग गए दीपक ।
आओ ....।

श्रेष्ठ मार्ग पर चलने की दो, आप हमें अपनी पहचान,
सत्य मार्ग पर चलते-2, आगे पथ पर बढ़ते जाएं।
आओ ....।

स्वागत-गीत

आगमन है आपका
　　　　स्वागतम है आपका

पड़े जो आपके कदम, महक गई कली-कली।
देख कर आपको, दिलों की खिल गई कली,
जिस चमन के फूल हम वो चमक है आपका,
आगमन ....।

　　　　कह रही है हर नज़र पधारने का शुक्रिया
　　　　बुलावा हम अधीरों का स्वीकारने का शुक्रिया ।
　　　　जिस वतन के लाल हम, वो वतन है आपका,
　　　　आगमन ....।

स्वागत-गीत

झूमे-झूमे यह नज़ारे, झुकी स्वागत में हर डाल है,
मिले आज हम सारे, कैसी गौरव भरी बात है।

1. आप पधारे प्रांण गूंजित हो ....।
   बसंत ऋतु का फैला आंचल ।
   कितने धर्मों की भारत में कलियाँ खिली,
   पर माला बनी एक है।

2. फूलों की माला लेके हम स्वागत सभी का करें।
   मन में यही इच्छा हम शौहरत को हासिल करें।
   खुशियों के लिए कितने सपने चुने पर माला बनी एक है।

Welcome Song

We welcome you-2

We are happy and so are you -2

A shake, a smile through out the day-2

Happiness is here to stay-2

1. We welcome you with flowers

We welcome you with smiles

We welcome you with good wishes

So they you may shine-2

2. We welcome you with celebrations

We welcome you with delight

We welcome you with jubiliation

So that you may smile-2

We welcome you....

Welcome Song

We welcome you-2

We welcome you dear parents

We are happy very-very happy

We are happy dear parents.

1. The smiles on your faces,

   Lift up so high-2

   The glitter on your faces help us to fly

   Keep on cheering -3 us dear parents

   Warm welcome-3 dear parents.

2. We don't have any silver

   We don't have any Gold

   You'll be happy very very happy

   When our talents we unfold.

   Keep on loving-3 us dear parents

   Warm welcome-3 dear parents.

ਵਿਸਾਖੀ ਗੀਤ

ਅੱਜ ਦਿਨ ਹੈ ਵਿਸਾਖੀ ਦਾ
ਸੰਗਤੇ ਭਾਗਾਂ ਵਾਲਾ ਆਇਆ–2 ।
ਖੰਡੇ ਦੀ ਧਾਰ ਵਿਚੋਂ
ਗੁਰਾਂ ਨੇ ਖਾਲਸਾ ਪੰਥ ਸਜਾਇਆ । –2
ਕੇਸਗੜ੍ਹ ਦੀ ਧਰਤੀ ਤੇ
ਗੁਰਾਂ ਨੇ ਸਾਜੇ ਪੰਜ ਪਿਆਰੇ–2
ਖੁਦ ਅਰਪਣ ਕਰਨ ਲਈ]
ਆ ਗਏ ਪੰਜ ਸਿੰਘ ਵਾਰੋ–ਵਾਰੋ–2
ਭਰ ਸ਼ਕਤੀ ਬਾਣੀ ਦੀ–2
ਨਵਾਂ ਸੀ ਜੋਸ਼ ਸਿੰਘਾਂ ਵਿੱਚ ਪਾਇਆ
ਅੱਜ ...... ।
ਕਰ ਕੱਠੇ ਧਰਮਾਂ ਨੂੰ]
ਸਾਰੀ ਦੁਆ ਦਵੈਤ ਮਿਟਾਈ–2
ਗਉ ਗਰੀਬ ਦੀ ਰਖਿਆ ਲਈ,
ਸਿੰਘਾਂ ਨੂੰ ਸਾਰੀ ਗੱਲ ਸਮਝਾਈ–2 ।
ਨਾ ਝੁਕਣਾ ਜੁਲਮ ਅੱਗੇ–2]
ਗੁਰਾਂ ਨੇ ਬਾਰ–2 ਫੁਰਮਾਇਆ –2
ਅੱਜ ...... ।
ਕਲਜੁਗ ਦੀ ਧਰਤੀ ਤੇ
ਇਹ ਸੀ 'ਆਈ ਜੋਤ ਇਲਾਈ'
ਗੁਰੂ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਜੀ ਤਾਂ
ਧੁਰ ਦੇ ਭੇਜੇ ਸੰਤ ਸਿਪਾਹੀ ।
ਪੰਜ ਕੱਕੇ ਬਖਸ਼ ਕੇ ਤੇ,
ਗੁਰਾਂ ਸਮਪੂਰਣ ਸਿੰਘ ਬਣਾਇਆ
ਅੱਜ ...... ।

पन्द्रह अगस्त

आज़ादी का दिन मन भावन,
पन्द्रह अगस्त है अति पावन ।

भारत माँ की बेड़ी टूटी,
गोरों की हथकड़ियाँ छूटी ।
महक उठा था उस दिन आँगन।
पन्द्रह .... ।

हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, इसाई,
मिलकर ज्योति, अखंड जलाई,
हुए निछावर लाखों जीवन,
पन्द्रह .... ।

ध्वजा, तिरंगा नभ फहराए,
राष्ट्र गान हर बच्चा गाए ।
जय-2 भारत देश सुहावन
पन्द्रह .... ।

जन्माष्टमी गीत

माँ यशोदा के पलने में झूले गोपाल,
बोलो जै नन्दलाल-2 ।
माँ यशोदा ......।

जन्म लिया हरि ने जन्म लिया ।
मथुरा ने बड़ा उपकार किया,
हाथ मुरली मधुर बैन नैना विशाल,
माँ यशोधा ......।

नगर-2 ओ देखो डगर-2 ।
गाँव-2 गली भर नगर-2 ।
गाँव-2 बधाई उड़ाओ, गुलाल
माँ यशोदा ......।

ऐसी दया करो गुरुजन

ऐसी दया करो गुरुजन हमारा मन बने निर्मल,
हम पर कृपा करो गुरुजन हमारा मन बने निर्मल ।

दूर करो अज्ञान अंधेरा ऐसा दीप जलाओ,
सबके मन में बस जाए, हम ऐसा मार्ग दिखाओ ।
ऐसा दो हमको अध्ययन हमारा मन बने निर्मल,
हम पर कृपा ......।

आपका आदर करें और करें मात पिता की सेवा,
करते जाए कर्म अपना न चाहे उसका मेवा ।
गुरुजन हमको दो वरदान हमारा मन बने निर्मल,
हम पर कृपा ......।

आप ने ही हम सबकी नैया को पार लगाया है,
किस ओर ले जाएं इसको सही मार्ग दिखाना है।
हमारा भविष्य हो उज्जवल हमारा मन बने निर्मल,
ऐसी दया करो गुरुजन ......।
ऐसी कृपा ......।

आज है दो अक्तूबर का दिन

आज है दो अक्तूबर का दिन,
आज का दिन है बड़ा महान,
आज के दिन दो फूल खिले थे,
जिनसे महका हिंदुस्तान ।

नाम एक का बापू गांधी,
और इक लाल बहादुर है।
एक का नारा अमन एक का,
जय जवान, जय किसान ।
आज है......।

बापू जिसने मानवता का दुनिया को संदेश दिया,
लाल बहादुर जिसने हमको गर्व से जीना सिखाया।
विश्व शांति के हित में देखो इन वीरों ने दिए प्राण ।
एक का नारा अमन का एक का जय जवान, जय किसान ।
आज ......।

मेरे मुन्ने दो अक्तूबर के शुभ दिन ही तू जन्मा,
मेरी यही दुआएँ हैं कि उन जैसे ही तू बनना,
और उन जैसा न बन पाए तो फिर इतना करना,
कम से कम उनके बतलाए रस्ते पर ही तू चलना।
दुनिया जिन पर नाज करेगी तू, उन वीरों की शान ।
एक का नारा अमन एक का जय जवान, जय किसान ।
आज है दो ......।

गाँधी तू आज हिन्द की

गाँधी तू आज हिन्द की एक शान बन गया,
सारी मनुष्य जाति का अभिमान बन गया,

तू सत्य, अहिंसा, दया, निस्वार्थ त्याग से,
जा करके स्वर्गलोक में भगवान बन गया।

तेरा प्रभाव सादगी हस्ती को देखकर
दुश्मन भी बेजुबान हो हैरान बन गया ।

तेरी नसीहतों में वो जादू का असर है,
जिसको लगी हवा तेरी इन्सान बन गया।

तू दोस्त है हर कौम का, हर दिल अजीज है,
सारा जहान तेरा कदरदान बन गया।

गौ हिन्द आज उठ न सके बाइसे तकदीर
फिर भी स्वराज्य लेने को इन्सान बन गया ।

आज दिवाली का है शुभ दिन

आज दिवाली का है शुभ दिन,
हम सबका है प्यारा सा दिन ।
इस दिन राम जी वापस आए,
लंका से सीता को लाए ।
आज दिवाली ....।

रावण का वध किया राम ने,
मिटी बुराई उसके साथ ।
सीखा सबने साथ दो सत्य का,
तभी अन्त होगा असत्य का ।

हम सब ले यह शुभ संकल्प,
दूर बुराई का है करना ।
और सदा विजयी है बनना,
यही दिवाली का है कहना,
आज ....।

ਸ਼ਬਦ

ਐਸੀ ਲਾਲ ਤੁਝ ਬਿਨੁ ਕਉਨੁ ਕਰੈ ॥
ਗਰੀਬ ਨਿਵਾਜੁ ਗੁਸਈਆ ਮੇਰਾ,
ਮਾਥੈ ਛਤ੍ਰ ਧਰੈ ॥੧॥ ਰਹਾਉ॥

ਜਾ ਕੀ ਛੋਤਿ ਜਗਤ ਕਉ ਲਾਗੈ,
ਤਾ ਪਰ ਤੂਹੀ ਢਰੈ ॥
ਨੀਚਹ ਊਚ ਕਰੈ ਮੇਰਾ ਗੋਬਿੰਦ,
ਕਾਹੂ ਤੇ ਨ ਡਰੈ ॥ ੧ ॥
ਨਾਮਦੇਵ ਕਬੀਰ ਤਿਲੋਚਨ ਸਧਨਾ ਸੈਨੁ ਤਰੈ ॥
ਕਹਿ ਰਵਿਦਾਸੁ ਸੁਨਹੁ ਰੇ ਸੰਤਹੁ,
ਹਰਿ ਜੀਉ ਤੇ ਸਭੈ ਸਰੈ ॥੨॥

आया दीपों का त्यौहार

आया दीपों का त्यौहार–2
सारी नगरिया आज सजी है, कर सोलह श्रृंगार,
आया दीपों ......।

राम करें इस दिवाली पर, हो ऐसा उजियारा,
प्यार की ज्योति से मिट जाए, नफरत का अंधियारा,
ज्ञान का दीप जलाकर कर दो,
उज्ज्वल आँगन द्वार ।।
आया ......।

जगमग करते दीपों का, त्यौहार है ये दिवाली
इस जीवन में खुशियों का उपहार है ये दिवाली ।
आओ मिलकर आज बसाएँ, एक नया संसार ।।
आया दीपों ......।

राह अल्पना, द्वार रंगोली के रंगों से सजाएँ ।
फूलों की खुशबू से सारे आँगन को महकाएँ ।
चौक पुरावों मंगल गावो बाँधो बंधनवार ।
आया दीपों ......।

ਸ਼ਬਦ

ਸਤਿਗੁਰ ਨਾਨਕ ਪ੍ਰਗਟਿਆ,
ਮਿਟੀ ਧੁੰਧੁ ਜਗਿ ਚਾਨਣੁ ਹੋਆ ।

ਜਿਉ ਕਰ ਸੂਰਜ ਨਿਕਲਿਆ,
ਤਾਰੇ ਛਪੇ ਅੰਧੇਰੁ ਪਲੋਆ ।

ਸਿੰਘ ਬੁਕੇ ਮਿਰਗਾਵਲੀ ਭੰਨੀ ਜਾਇ,
ਨ ਧੀਰਿ ਧਰੋਆ ।

ਜਿਥੈ ਬਾਬਾ ਪੈਰ ਧਰੈ,
ਪੂਜਾ ਆਸਣ ਥਾਪਣਿ ਸੋਆ ।

ਸਿਧ ਆਸਣਿ ਸਭਿ ਜਗਤ ਦੇ,
ਨਾਨਕ ਆਦਿ ਮਤੇ ਜੇ ਕੋਆ ।
ਘਰਿ ਘਰਿ ਅੰਦਰਿ ਧਰਮਸਾਲ,
ਹੋਵੈ ਕੀਰਤਨੁ ਸਦਾ ਵਿਸੋਆ ।

ਬਾਬੇ ਤਾਰੇ ਚਾਰਿ ਚਕਿ,
ਨਉਖੰਡਿ ਪ੍ਰਿਥਮੀ ਸਚਾ ਢੋਆ ।

ਗੁਰਮੁਖਿ ਕਲਿ ਵਿਚਿ ਪਰਗਟੁ ਹੋਆ ।।

Jingle Bells

Jingle Bells - 2
Jingle all the way
Oh! What fun it is to ride in a one horse open sleigh

Jingle Bells - 2
Jingle all the way
Santa clause is coming around riding on a sleigh

Jingle Bells -2
Jingle all the way
Santa clause is coming to town on this Christmas Day

It's a new day

When the sun shines on the mountains,
and the night is on the run.
It's a new day, its a new way,
and I fly up to the sun.

Chorus : Una, Paloma, Blanca
I'm just a bird in the sky,
Una, Paloma, Blanca
Over the mountains I fly
No one can take my freedom away
Yes, No One can take my freedom away.

I can feel the morning sunlight,
I can smell the new born hay,
I can see the godly twilight
On my golden skylight way.

Una Paloma, Blanca
I'm just a bird in the sky,
Una, Paloma, Blanca,
Over the mountains I fly,
No One can take my freedom away, yes
No One can take my freedom away, yes

Once I had my share of losin
Once they locked me on a chain
Yes, they tried to break my power
O, I still can feel the pain.

Christmas Praise is in the air

Christmas praise is in the air children dancing everywhere
Happy children dance for the new born king
Love & joy forever to the earth he brings.
Hey- Hey.........................
La-La-La............................

Now join hands together
Sing his love forever
All happy children dance for the new born king
Love & joy forever to the earth he brings.
Christmas praise.....................

नया साल हो मुबारक

नया साल हो आप सबको मुबारक–2
सबको मुबारक आप सबको मुबारक–2
नया साल हो ....।

नए साल में भूलें पिछले सभी गम
नई खुशियों का स्वागत करें हम,
नए साल हो आप सबको मुबारक।

जो बीत गया वो भी पल था सुहाना
आने वाला कल को भी खुशनुमा बनाना ।
नया साल हो आप सबको मुबारक

खुशियों को पैगाम ले करके आए,
सबकी जिन्दगी में रोशनी ये लाए ।
नया साल हो आप सबको मुबारक ।

ਸ਼ਾਹਿ ਸ਼ਾਹਨਸ਼ਾਹ

ਸ਼ਾਹਿ ਸ਼ਾਹਨਸ਼ਾਹ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ।

ਹੱਕ ਹੱਕ ਆਗਾਹ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ।

ਨਾਸਰੋ ਮਨਸੂਰ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ।

ਏਜ਼ਦੀ ਮਨਜ਼ੂਰ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ।

ਹੱਕ ਰਾ ਗੰਜੂਰ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ।

ਜੁਮਲਾ ਫੈਜਿ ਨੂਰ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ

ਹੱਕ ਹੱਕ ਅੰਦੇਸ਼ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ।

ਬਾਦਸ਼ਾਹ ਦਰਵੇਸ਼ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ।

ਸ਼ਾਹਿ ਸ਼ਾਹਨਸ਼ਾਹ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ।

ਵਾਹੁ ਵਾਹੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ

ਵਾਹੁ ਵਾਹੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ, ਆਪੇ ਗੁਰੁ ਚੇਲਾ ।

ਸਚਾ ਅਮਰ ਗੋਬਿੰਦ ਦਾ, ਸੁਣ ਗੁਰੂ ਪਿਆਰੇ ।

ਸਤਿ ਸੰਗਤਿ ਮੇਲਾਪ ਕਰਿ, ਪੰਜ ਦੂਤ ਸੰਘਾਰੇ ।

ਵਿਚਿ ਸੰਗਤਿ ਢੋਈ ਨਾ ਲਹਿਨਿ ਜੋ ਖਸਮੁ ਵਿਸਾਰੇ ।

ਗੁਰ ਸਿਖਾਂ ਮੱਥੇ ਉਜੱਲੇ, ਸੱਚੇ ਦਰਬਾਰੇ ।

ਹਰਿ ਗੁਰੁ ਗੋਬਿੰਦ ਧਿਆਈਐ, ਸਚ ਅੰਮ੍ਰਿਤ ਵੇਲਾ ।

ਵਾਹੁ ਵਾਹੁ ਗੋਬਿੰਦ ਸਿੰਘ ਆਪੇ ਗੁਰੁ ਚੇਲਾ

वैष्णव जन तो

वैष्णव जन तो तेने कहिए, जे पीर पराई जाणें रे ।
पर दुखे उपकार करे तोये, मन अभिमान न आणे रे ।।

सकल लोकमां सहुले बंदे, निन्दा न करे केनी रे,
वाच काछ मन निश्चल राखे, धन धन जननि तेरी रे ।।

समदृष्टि ने तृष्णा त्यागी परस्त्री जेने मात रे ।
जिह्वा थकी असत्य न बोलो पर धन नव झाले हाथ रे ।

मोह माया व्यापे नहीं जेने, दृढ़ वैराग्य जेना मनमा रे ।
राम नायशु ताली लगी, सकल तीर्थ तेना तनमारे ।।

शिव भजन

शिव शंकर को जिसने पूजा,
उसका ही उद्धार हुआ,
अंतकाल को भवसागर में,
उसका बेड़ापार हुआ ।

भोले शंकर की पूजा करो,
ध्यान चरणों में इसके धरो ।
हर हर महादेव शिव शंभु–2 ।

डमरूवाला है जग में दयालु बड़ा,
दीनदुखियों का दाता जगत का पिता ।
सब पे करता है ये भोला शंकर दया,
सबको देता है यह आसरा –2 ।

इन पावन चरणों में अर्पण
आकर जो एक बार हुआ,
अंतकाल .... ।
ऊँ नमः शिवाय नमो हरि ऊँ नमः शिवाय ।
नमो, हर हर महादेव .....।

Moral Songs

नदिया न पीये

नदिया न पीये कभी अपना जल,
वृक्ष न खाये कभी अपना फल,
अपने तन का, मन का, धन का,
दूजों को दे दे दान रे, वो सच्चा इन्सान रे । इस धरती पर भगवान रे
वो सच्चा इन्सान ।।

चाहे मिले सोना चाँदी, चाहे मिले रोटी वासी
महल मिले बहुसुखकारी, चाहे मिले मुझे कुटिया खाली ।
प्रेम और संतोष भाव से, करता जो स्वीकार रे,
वो सच्चा इन्सान रे .....।

चाहे करे निन्दा कोई, चाहे कोई गुणगान करे,
फूलों से सत्कार करे, कांटों की चिंता न धरे ।
मान और अपमान ही दोनों, जिसके लिए सम्मान रे,
वो सच्चा इन्सान रे .....।

जीवन में कुछ करना है तो

जीवन में कुछ करना है तो मन को मारे मत बैठो,
आगे-आगे बढ़ना है तो हिम्मत हारे मत बैठो ।

चलने वाला मन्जिल पाता, बैठा पीछे रहता है,
ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल होता है।
पाँव मिले चलने की खातिर, पाँव पसारे मत बैठो,
आगे-2 बढ़ना .....।

तेज़ दौड़ने वाला खरहा दो पल चलकर हार गया,
धीरे-2 चलकर कछुआ देखो बाज़ी मार गया ।
चलो कदम से कदम मिलाकर दूर किनारे मत बैठो,
आगे .....।

धरती चलती तारे चलते, चाँद रात भर चलता है,
फूलों का उपहार बाँटने सूरज, रोज़ निकलता है,
हवा चले तो महक बिखरे, काँटों से तुम मत डरना ।
आगे .....।

ये वक्त न ठहरा है

ये वक्त न ठहरा है, ये वक्त न ठहरेगा ।
ये दिन भी गुज़र जाएगा, घबराना कैसा,
हिम्मत से काम लेंगे, घबराना कैसा ।

सागर के सीने पे आए हैं, जब हम मोती,
लहरें भी बलखायें, घबराना कैसा,
हिम्मत से कमा लेंगे, घबराना कैसा ।

ये सुख-दुख जीवन में आते और जाते हैं,
दुख पहले आ जाए, घबराना कैसा,
हिम्मत से काम लेंगे, घबराना कैसा ।

जब कदम बढ़ाए हैं, मंजिल मिल जाएगी ।
है राह जरा मुश्किल घबराना कैसा ।
हिम्मत से काम लेंगे, घबराना कैसा ।

ये वक्त ना ठहरा है, ये वक्त न ठहरेगा ।
ये दिन भी गुज़र जाएगा, घबराना कैसा ।
हिम्मत से काम लेंगे, घबराना कैसा ।

भला किसी का कर न सको

भला किसी का कर न सको, बुरा किसी का मत करना,
पुष्प नहीं बन सकते, तो तुम कांटे बनकर मत चलना ।

बन न सको भगवान अगर तुम कम से कम इन्सान बनो,
नहीं कभी शैतान बनो, तुम नहीं कभी हैवान बनो,
सदाचार अपना न सको, तो पापों में पग मत धरना
पुष्प .... ।

सत्य वचन न बोल सको, तो झूठ कभी भी मत बोलो,
मौन रहो तो ही अच्छा, कम से कम विष तो मत घोलो,
बोलो यदि पहले तुम तोलो, फिर मुँह को खोला करना ।
पुष्प .... ।

घर न किसी का बसा सको तो झोंपड़ियों न जलादेना,
मरहम पट्टी कर न सको, तो खार नमक न लगा देना ।
दीपक बनकर जल न सको, तो अंधियारा भी मत करना,
पुष्प .... ।

अमृत नहीं पिला सकते तो जहर पिलाते भी डरना ।
धीरज बंधा नहीं सकते, तो घाव किसी के मत करना ।
प्रभु (हरि) नाम की माला लेकर सुबह शाम भजन करना,
पुष्प नहीं बन .... ।

नर नारी सब प्रातः शाम
भज ले प्राणी ओम का नाम

ओम नाम का पकड़ सहारा, वह है सच्चा पिता हमारा,
वह ही है मुक्ति का धाम, भज ले प्राणी ...... ।

1. कैसा सुन्दर जगत रचाया सूरज चाँद आकाश बनाया ।
   गुण गाये संसार तमाम भज ले प्राणी ......

2. पृथ्वी और पहाड़ बनाये, नदियाँ नाले खूब सजाये,
   बिन कर कर्म करे निष्काम भज ले प्यारे ......

3. ऋषियों मुनियों है ध्याया अन्त किसी ने उसका पाया,
   करते हैं उसको प्रणाम भज ले प्राणी..... ।

4. मन अपने को शुद्ध बनाओ, जीवन में शुभ कर्म कमाओ,
   वेदों का यह ही फरमान, भज ले प्राणी...... ।

देखा न कोई देवता प्यारे ऋषि की शान का
सिर पे सही मुसीबतें सोचा भला जहान का

1. पी.पी के प्याले ज़हर के करते रहे उपकार वो
चिन्ता थी प्यारे धर्म की धोखा नहीं था जान का
सिर पे सही.....

2. पत्थर व ईंटे खा गये करते गये फिर भी नेकियाँ
किस्सा मैं क्या सुना सकूँ ऐसे ऋषि महान का
सिर पे सही....

3. वैदिक धर्म के वास्ते लाखों सही मुसीबतें
जीवन में एक बार भी आया न ध्यान मान का
सिर पे सही....

4. घर घर पर बजाई वेद की प्यारे ऋषि ने बंसरी
ऐसा दीवाना था ऋषि बंसरी की मीठी तान का
सिर पे सही.....

वेदों का डंका आलम में बजवा दिया ऋषि दयानन्द ने
हर जगह ओम का झण्डा फिर फहरा दिया
ऋषि दयानन्द ने

1. अज्ञान अविद्या की हरसू घनघोर घटायें छाई थीं।
कर नष्ट उन्हें जग में प्रकाश फैला दिया ऋषि दयानन्द ने...

2. सब छोड़ चुके थे धर्म, कर्म, गौरव गुमान ऋषि मुनियों का,
फिर संध्या हवन यज्ञ करना
सिखला दिला ऋषि दयानन्द नें ।

3. बलिदान किया बलि बेदी पर जीवन प्रकाश हंसते हंसते
सच्चे रहबर बन कर सब को दिखला दिया ऋषि दयानन्द ने।

चमकेंगे जब तलक ये सूरज व चाँद तारे
हम हैं ऋषि दयानन्द तब तक ऋणि तुम्हारे
चमकेंगे

1. भारत की जब यै नैय्या मझधार में पड़ी थी
तूने ही बन के खेवट पहुँचा दिया किनारे चमकेंगे.... ।

2. हमको पिलाया अमृत खुद जहर पी गया तू,
तूने हमारी खातिर सब कष्ट थे सहारे चमकेंगे ।

3. कातिल को अपने स्वामी जीवन का दान दे तू,
तेरी जान के भी दुश्मन तुम्हें जान से थे प्यारे चमकेंगे .....

4. तू वो दीया था जिसने लाखों दीये जलाये,
दी रोशनी ''पथिक'' वो घर जगमगाये सारे चमकेंगे.....।

जन्म दिवस ऋषिराज तुम्हारा सदा प्रेरणा देता है
हर दिल में उत्साह जगाता कायरता हर लेता है।

1. टंकारा की पुण्य भूमि में ऋषिवर तूने जन्म लिया,
हर मानव को दिव्य भाव का एक अमर सन्देश दिया ।
सत्य को धारण करने वाला होता विश्व विजेता है,
जन्म दिवस........

2. मात पिता और खानदान का रोशन जग में नाम किया,
मानवता की शान बढ़ाई, जीवन में यह काम किया ।
खुला है जीवन ग्रन्थ तुम्हारा सारा जग अध्येता है
जन्म दिवस......

3. जिस व्यक्ति ने मन मन्दिर में धरा देवता पूजा है,
एक प्रभु को छोड़ के करता और किसी की पूजा है।
''पथिक प्रभु का भक्त नहीं वह नेता या अभिनेता है।''
जन्म दिवस....

ओम भूः ओम् भुवः गीत मैं गाऊँ तेरा।
सच्चिदानन्द प्रभु ध्यान लगाऊँ तेरा ।
ओम भूः ओम् भुवः गीत मैं गाऊँ तेरा ।

1. पाप की वृति सदा दूर हटाती तुमसे
   किस तरह देव बता दर्श मैं पाऊँ तेरा
   ओम भूः .....
2. प्राकृतिक भोग की तृष्णा में मन कभी न फंसे
   ऐसी भक्ति का प्रभु रंग चढ़ाऊँ तेरा ।
   ओम भूः .....
3. मेरा मन मस्त रहे भोग सताए न मुझे,
   ऐसा अधिकार मिले पुत्र कहाऊँ तेरा ।
   ओम भूः .....
4. वेद माता के प्रति नाथ मुझमें श्रद्धा रहे,
   दिव्य संदेश सदा सबको सुनाऊँ तेरा
   ओम भूः ......
5. पाप अज्ञान का परदा हटा दो हे भगवान,
   आत्मानन्द प्रभु दीप जलाऊँ तेरा
   ओम भूः ....

मेरा आपकी कृपा से सब काम हो रहा है
करते हो तुम प्रभु जी मेरा नाम हो रहा है मेरा...

1. पतवार के बिना ही मेरी नाव चल रही है
   हैरान है जमाना मन्जिल भी मिल रही है।
   करता नहीं मैं कुछ भी सब काम हो रहा है।
2. अब तुम जो मिल गये हो किस चीज की कमी है,
   किसी और चीज की अब परवाह भी नहीं है।
   बस आप की कृपा से मालामाल हो रहा हूँ।
3. मैं तो नहीं हूँ काबिल तेरा प्यार कैसे पाऊँ,
   टूटी हुई वाणी से गुणगान कैसे गाऊँ।
   अब आप की कृपा से ये कमाल हो रहा है।
4. मुझे हर कदम पे तूने जो दे दिया सहारा,
   मेरी जिन्दगी बदल दी तूने करके इक इशारा।
   ऐहसान पे तेरा ये ऐहसान हो रहा है।
5. तूफान आंधियों में तूने ही मुझको थामा,
   तुम कृष्ण बनके आए मैं बन गया सुदामा,
   तेरा कर्म मुझपे ऐसे सरेआम हो रहा है,
   मेरा आपकी.....

ओम नाम के हीरे मोती मैं बिखराऊँ गली-गली
लेलो कोई ओम का प्यारा शोर मचाऊँ गली गली ।

1. जिस जिस ने यह मोती लूटे वह सब माला माल हुए,
माया के जो बने पुजारी वे आखिर कंगाल हुए ।
सोना चाँदी माया वालों मैं समझाऊँ गली-गली ।

2. जिस में ईश्वर भक्ति नहीं वह इन्सान इन्सान नहीं।
रोम रोम में बस न जाये, ऐसा वह भगवान नहीं।
ओम नाम की माला जप लो मैं बतालाऊँ गली-गली।

3. जिस जिस ने भी जैसे जैसे उस ईश्वर को ध्याया है,
उस उस ने वैसे ही वैसे अपने प्रभु को पाया है।
भारत वर्ष के ऋषियों का इतिहास सुनाऊँ गली गली ।

जिसके पुण्य प्रताप से जाग उठा संसार
उस पावन दयानन्द की बोलो जै जै कार
बोलो जै जै कार

1. घोर अंधरा जग में छाया नज़र नहीं कुछ आता था,
मानव-मानव की ठोकर से तब ठुकराया जाता था।
ओम पताका लेकर घर घर अलख जगाता था।
लोगों को वह वेदों का संदेश सुनाने आया था।

2. बंटा हुआ था टुकड़े-टुकड़े भारतवर्ष जंजीरों में
शासन करते लोग विदेशी जोश नहीं था वीरों में
आजादी का बिगुल बजाकर हमें जगाने आया था,
घर घर, में वट वेदो का संदेश सुनाने आया था

3. जब जब चमके चाँद सितारे कुदरत के यह नज़ारे हैं।
धरती अम्बर नदियाँ पर्वत जंगल सागर तारे हैं।
नाम रहेगा देव ऋषि का जब तक सूरज तारे हैं,
वेद अमर ज्योति का दर्शन हमें कराने आया था।

मेरे दाता के दरबार में सब लोगों का खाता ।
जैसा कोई कर्म करेगा वैसा ही फल पाता ।

1. साधु हो या सद गृहस्थी राजा हो या रानी ।
प्रभु की पुस्तक में लिखी है सबकी कर्म कहानी ।
बड़े बड़े जमा खर्च का सही हिसाब लगाता ।

2. नहीं चले उसके घर रिश्वत नहीं चले चालाकी,
प्रभु के अपने लेन देन की रीति बड़ी है बांकी ।
पुण्य का बेड़ा पार करे वो पाप की नाव डुबाता ।

3. बड़ा कड़ा कानून प्रभु का बड़ी कड़ी मर्यादा,
किसी को कौड़ी कम नहीं देता, नहीं किसी को ज्यादा ।
इसीलिए तो इस दुनियां का न्यायाधीश कहलाता ।

4. करता सही हिसाब सभी का न्याय कर्म पर डटके,
उसका फैसला कभी न पलटे लाख कोई सर पटके,
समझदार तो शान्त रहता मूर्ख शोर मचाता ।

5. अच्छी करनी कर लो भाई, कर्म न करियो काला,
लाख आँख से देख रहा है तुझे देखने वाला,
सोच समझ कर कर्म करो शुभ जोड़ प्रभु से नाता ।